IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

”आधुनिक युग में छत्तीसगढ़ के अभियांत्रिकी महाविद्यालयीन पुस्तकालयों में सूचना क्रांति के योगदानों का अध्ययन“

’पात्रिक मिंज, शोधकर्ता,
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग,
भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग, छग, 491001,
’’डॉ. गिरजा शंकर पटेल, शोध निर्देशक,
एसोसिएट प्रोफेसर, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग,
भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग, छग, 491001,

सारान्श

इन्टरनेट में शिक्षा जगत के सभी क्षेत्रों में क्रांति लाने की आपार क्षमता हैं। शैक्षिक तकनीकी हमारे घर, परिवार, समाज और देश में औपचारिक शिक्षा को जानने एवं उसको समझने के तरीके में महत्वपूर्ण बदलाव लाने की अपार संभावना है। विभिन्न विकसित देशों ने शिक्षा की महत्व को समझा और उसे स्वीकार भी किया, उसके तरीकों को अपनाया है। तेजी से बढ़ती इस दुनिया में विभिन्न देशों ने शिक्षा के क्षेत्र में इन्टरनेट के माध्यम से ई–लर्निंग का प्रयोग करते हुए दुनिया के किसी भी कोने में या कहीं भी रहकर अपनी पढ़ाई के लिए साधन जुटा सकता है। दूसरों को भी अपनी ज्ञान बांट सकता हैं। इन्टरनेट शिक्षक के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण शिक्षा का साधन है। क्योंकि वह कक्षाओं से संबंधित रहता है, कक्षा में रहकर या कहीं भी रहकर शिक्षार्थियों को शिक्षा देता हैं। इस प्रकार यह पेपर शिक्षा में इन्टरनेट की भूमिका की जांच करता है, और शिक्षा को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर देता है।

मुख्य शब्द : इन्टरनेट, शैक्षिक तकनीकी, ई–लर्निंग, ऑनलाईन शिक्षण इत्यादि।

प्रस्तावना

इन्टरनेट की अगर हम बात करें तो इन्टरनेट सभी प्रकार का तथा पूरी विश्व का एक बहुत बड़ा और विशालकाय नेटवर्क है। अर्थात अन्तरजाल है। इस लिए यह नेटवर्क सभी का एक दूसरे से जुड़े होता है, क्योंकि यह एक वैश्विक कम्पयूटर नेटवर्क है, जो सभी प्रकार की सूचना और संचार सुविधाएं प्रदान करता है। वर्तमान समय में इन्टरनेट का जबरदस्त उपयोग है। इसके द्वारा हमारे जीवन में बहुत सारे परिवर्तन आया है। छोटे से लेकर बड़े कार्यो तक जैसे औद्योगिक क्षेत्र, राजनीतिक क्षेत्र, चिकित्सा क्षेत्र, एवं नौकरियों आदि प्रत्येक क्षेत्र में इन्टरनेट का उपयोग किया जा रहा है। इन्टरनेट एक क्रांति लाया है, जिसने हमारे दैनिक जीवन के प्रत्येक पहलू को छुआ है। विशेष कर शिक्षा के क्षेत्र में इन्टरनेट का उपयोग से बहुत लाभ हुआ है। इन्टरनेट लोगों को सबसे ज्यादा पसंद है, क्योंकि यह दुनिया भर की जानकारी बड़ी मात्रा में कुछ ही सेकंड में आसान और त्वरित पहुंच प्रदान करता है। इसमें अथाह ज्ञान का भंडार है। जिसे कोई भी किसी भी समय अपनी सुविधा अनुसार ढूंढ़ सकता है। इसके अलावा अगर हम इन्टरनेट की बात करें तो यह किसी कम्पनी या सरकार के अधीन नही है, क्योंकि इसमें कई तरह के सर्वर जुड़े होते हैं, जो अलग–अलग संस्थानों और निजी कम्पनी के होते हैं, जिसमें इन्टरनेट सेवाएं उपलब्ध है।

इस पेपर का उददेश्य विशेष कर शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को एवं अन्य लोगों को भी इसके महत्व के बारे में बताना है, कि इन्टरनेट कितना महत्वपूर्ण है। इसका उपयोग कैसे और कहां–कहां किया जा सकता है। इन्टरनेट का उपयोग से क्या–क्या फायदा है। इससे समय की बचत कैसे होती है। इसके द्वारा क्या–क्या काम त्वरित किया जा सकता है। ऑनलाईन शिक्षा कैसे प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में एक शैक्षणिक संस्था से दूसरे शैक्षणिक संस्था के द्वारा शिक्षा संबंधित

जानकारी तत्काल कैसे प्राप्त किया जा सकता है। एक दूसरे के साथ एक शिक्षार्थी से दूसरे शिक्षार्थी तक विभिन्न प्रकार के ज्ञान एवं विचारों का आदान–प्रदान कैसे किया जा सकता है। जिससे कि एक दूसरे को शिक्षा से संबंधित लाभ प्राप्त हो सके।

उददेश्य

- शिक्षा के क्षेत्र एवं समाज के लोगों में इन्टरनेट के महत्व के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना।
- शिक्षा के क्षेत्र एवं समाज के लोगों में इन्टरनेट के लाभ एवं हानि के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना।
- शिक्षा के क्षेत्र एवं समाज के लोगों में इन्टरनेट के उपयोगिता के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना।
- शिक्षा के क्षेत्र एवं समाज के लोगों में इन्टरनेट के प्रकार के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना।

अध्ययन

वर्तमान समय में इन्टरनेट के माध्यम से संचार, ई–मेल, चैट, रेल एवं प्लेन आदि यात्रा, पर्यटन, कानून चिकित्सा, टिकट बुकिंग, उद्योग, नई जगहों की तलाश, छात्रों, शिक्षकों, मनोरजंन एंव बैंक, ऑफिस हो या घर आदि के कार्यो में महत्वपूर्ण उपयोगिता के रूप में उभर कर आज देश के विकास में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जैसे कि–

- **ई–मेल :–** ई–मेल वास्तव में इलेट्रॅानिक मेल है, जिसे हम आमतौर पर ई–मेल के रूप में जानते हैं। यह एक संचार विधि है जो कंप्यूटर नेटवर्क पर संदेश वितरित करने के लिए इलेट्रॅानिक उपकरणों का उपयोग करती है। ई–मेल का तात्पर्य वितरण प्रणाली और भेजे और प्राप्त किए गए व्यक्तिगत संदेशों दोनों से है। ई–मेल का अस्तित्व किसी न किसी रूप में लगभग 1970 के दशक में हुआ। जब प्रोग्रामर रे टॉमलिंसन ने एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्टस एजेंसी नेटवर्क अर्पानेट पर कंप्यूटर सिस्टम के बीच संदेश प्रसारित करने का एक तरीका बनाया था। ई–मेल क्लाइंट सॉफटवेयर जैसे आउटलुक और वेब ब्राउजर के विकास के साथ ई–मेल के आधुनिक रूप व्यापक सार्वजनिक उपयोग के लिए उपलब्ध हो गए, जिनमें से उत्तरार्द्ध उपयोगकर्ताओं को वेब आधारित ई–मेल क्लाइंट जैसे (जी–मेल) का उपयोग करके इन्टरनेट वपर संदेश भेजने और प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। आज ई–मेल डिलिटल संचार का सबसे लोकप्रिय तरीकों में से एक है। इसकी व्यापकता और सुरक्षा कमजोरियां इसे फिशिंग, (डोमेन स्पूफिंग और विजनेस ई–मेल समझौता बीईसी) जैसे साइबर हमलों के लिए एक आकर्षक माध्यम बनाती है।

- **ई–मेल के कार्य :–** ई–मेल संदेश सॉफटवेयर प्रोग्राम और वेब ब्राउजर के माध्यम से भेजे जाते हैं, जिन्हें सामूहिक रूप से ई–मेल क्लाइंट कहा जाता है। व्यक्तिगत संदेशों को प्राप्तकर्ता के ई–मेल सर्वर तक पहुंचने से पहले कई सर्वरों के माध्यम से भेजा जाता है। उसी तरह जैसे एक पारंपरिक पत्र अपने प्राप्तकर्ता के मेलबॉक्स तक पहुंचने से पहले कई डाकघरों से होकर गुजर सकता है। एक बार ई–मेल संदेश भेजे जाने के बाद यह आने अंतिम गंतव्य तक कई चरणों का पालन करता है जैसे कि :–
- प्रेषक का मेल सर्वर, जिसे मेल ट्रांसफर एजेंट (एमटीए) भी जाता है, एक सरल मेल ट्रांसफर प्रोटोकॉल (एसएमटीपी) कनेक्शन शुरू करता है।
- एसएमटीपी प्राप्तकर्ता के ई–मेल पते के लिए ई–मेल लिफाफा डेटा वह पाठ जो सर्वर को बताता है कि संदेश कहां भेजना है की जांच करता है, फिर डोमेन नाम को आईपी पते में अनुवाद करने के लिए डोमेन नाम सिस्टम (डीएनएस) का उपयोग करता है।
- एसएमटीपी प्राप्तकर्ता के डोमेन नाम से जुड़े मेल एक्सचेंज, (एमएक्स) सर्वर की तलाश करता है। यदि कोई मौजूद है, तो ई–मेल प्राप्तकर्ता के मेल सर्वर पर भेज दिया जाता है।
- ई–मेल प्राप्तकर्ता के मेल सर्वर पर संग्रहीत होता है और इसे पोस्ट ऑफिस प्रोटोकॉल (पीओपी) या इन्टरनेट मैसेज एक्सेस प्रोटोकॉल (आईएमएपी) के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। ये दोनों प्रोटोकॉल थोड़े अलग तरीके से कार्य करते हैं, पोप ई–मेल को प्राप्तकर्ता के डिवाइस पर डाउनलोड करता है और इसे मेल सर्वर से हटा देता है। जबकि आईएमएपी मेल क्लाइंट के भीतर ई–मेल को संग्रहीत करता है। जिससे प्राप्तकर्ता को किसी भी कनेक्टेड डिवाईस से इसे एक्सेस करने की अनुमति मिलती है।

- **वेबसाइट :–** अगर आपने वेबसाइट शब्द के बारे में सुना है, तो इसके बारे में जानना और इसकी उपयोगिता एवं इसके लाभ क्या है, ये भी जानना जरूरी है। आईये हम इसे समझने का प्रयास करें। वेबसाइट, इन्टरनेट का ही एक भाग है, आज के समय में लोग मोबाइल और कंप्यूटर में इन्टरनेट का उपयोग किसी न किसी कार्य के लिए

अवश्य करते हैं, इन्टरनेट के उपयोग का मतलब है आप किसी वेबसाइट का उपयोग कर रहे हैं। क्योंकि जब आप अपने मोबाइल/कंप्यूटर को इन्टरनेट से कनेक्ट करते हैं, और गूगल, याहू बिंग पे कोई जानकारी सर्च करते हैं, या अमेजन फिलप्कार्ट से किसी प्रोडक्ट को खरीदते या प्राइज पता करते हैं तो उस समय आप गूगल याहू बिंग अमेजन और फिलप्कार्ट की वेबसाइट का ही उपयोग कर रहे होते हैं। जब आप अपने मोबाइल/कंप्यूटर के ब्राउजर में इन्टरनेट से जानकारी प्राप्त करने के लिए कुछ सर्च करते हैं तो ब्राउजन उसे किसी सर्च इंजन का उपयोग करके हमारे सर्च से जुड़ी बहुत सी वेबसाइट के नाम और यूआरएल हमें दिखाता है जिसपे हमारे आवश्यकता की जानकारियां उपलब्ध होती हैं। वेबसाइट, इन्टरनेट पर उपलब्ध एक ऐसी तकनीक है जिसके माध्यम से हम बहुत सी जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं, एक वेबसाइट बहुत से वेब पेज से मिल कर बनी होती है और ये सभी वेब पेज एक डोमेन नाम के माध्यम से एक दुसरे से जुड़े होते हैं। इस प्रकार से अगर हम वेबसाइट को परिभाषित करना चाहें तो कुछ इस प्रकार से है :– "जब बहुत से वेब पेज के समूह को किसी डोमेन नाम के माध्यम से एक दुसरे से जोड़ दिया जाता है, तो उन वेब पेजों के समूह को वेबसाइट कहते हैं।

- **वेबसाइट के प्रकार :–** वेब पेज के आधार पर :– वेब पेज के आधार पर वेबसाइट कुछ इस प्रकार के होते हैं।
  - **स्टैटिक वेबसाइट :–** ऐसी वेबसाइट जिसके वेब पेज पर जो जानकारी हमें मिलती है, वो हर समय एक जैसी ही रहती है। ये जानकारियां किसी भी उपयोगकर्ता के लिए किसी भी समय एक जैसी ही होती है। वेबसाइट को रीलोड करने या बंद करने के बाद पुनः खोलने पर उसमें दिखाई जा रही जानकारी में किसी भी प्रकार की कोई परिवर्तन नहीं होता है। इस वेबसाइट के कंटेक्ट लंबे समय तक एक जैसी ही रहती है, इसमें उपलब्ध जानकारियां तब तक परिवर्तन नहीं होता है जब तक की उस वेबसाइट को बनाने वाले डेवलपर इसको चेंज नही करता। जैसे– किसी वेबसाइट में उपलब्ध अबाउट अस, कांटैक्ट अस, या प्रोर्टफोलियो।
  - **डायनमिक वेबसाइट :–** ऐसी वेबसाइट जिसके वेब पेज पर उपलब्ध जानकारियां हमेशा एक जैसी नही रहती है। इन वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारियां को यूजर की आवश्यकता के अनुसार यूजर द्वारा या वेबसाइट के एडमिन द्वारा किसी भी समय बदला जा सकता हैं जिसके लिए डेवलपर की आवश्यकता नहीं पड़ती है। जैसे– सोसल मेडिया, ई–कामर्स या ब्लोग।
  - **न्यूज वेबसाइट :–** ऐसी वेबसाइट जिसके माध्यम से हमे अपने आस–पास अपने शहर और देश दुनिया की खबरें प्राप्त होती है। इसमें हर समय नयी खबर मिलती रहती है।
  - **एजुकेशनल वेबसाइट :–** ऐसी वेबसाइट जिसके माध्यम से स्कूल, कॉलेज और सरकारी संस्थाएं विद्यार्थियों के पढ़ने के लिए सामग्री उपलब्ध कराती है, और उनके पंजीकरण परिणाम और अन्य जानकारियों को उन तक पहुंचाती है।
  - **सोशल मीडिया वेबसाइट :–** ऐसी वेबसाइट जिसके माध्यम से लोग एक दूसरे से संपर्क बना सकते हैं और अपने संपर्क के लोगों के साथ जानकारियां शेयर करते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में इन्टरनेट

शिक्षा के क्षेत्र में इन्टरनेट का उपयोग बहुत अधिक किया जा रहा है। इसकी सहायता से शैक्षिक स्तर में उन्नति हुई है। आज दुनिया के किसी भी कोने में बैठा विद्यार्थी इसकी सहायता से उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकता है। अपनी आवश्यकता की चींजे इन्टरनेट के माध्यम से ई–मेल, वॉटसएप, मेसेज, यूटयूब, टेलिग्राम, टिवटर, शिक्षा एप्पस आदि के द्वारा जानकारी शीघ्र प्राप्त कर लेता है। ई–शिक्षा (ई–लर्निंग) को सभी प्रकार इलेक्ट्रॉनिक समर्थित शिक्षा और अध्ययन के रूप में परिभाषित किया जाता है। ई–शिक्षा में वेब आधारित शिक्षा, कंप्यूटर आधारित शिक्षा, और डिजिटल सहयोग शामिल है। आज कल इन्टरनेट का प्रयोग न केवल ई–शिक्षा में ही किया जा रहा है, बल्कि ऑनलाईन फार्म भरने, नौकरी के लिए आवेदन करने और पुस्तकें पढ़ने में भी किया जा रहा है। आज विद्यार्थी शिक्षा के सभी क्षेत्रों में इन्टरनेट का उपयोग कर रहे हैं।

इन्टरनेट का लाभ

वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यकताओं को देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि इन्टरनेट का बहुत ही ज्यादा महत्व होने के कारण इसके लाभ भी बहुत हैं जो निम्नानुसार हैः–

- **ज्ञान एवं विचारों का आदान–प्रदान :–** शिक्षा के क्षेत्र में एक शैक्षणिक संस्था से दूसरे शैक्षणिक संस्था के द्वारा शिक्षा संबंधित जानकारी तत्काल प्राप्त किया जा सकता है। एक दूसरे के साथ एक शिक्षार्थी से दूसरे शिक्षार्थी तक विभिन्न प्रकार के ज्ञान एवं विचारों का आदान–प्रदान किया जा सकता है। जिससे कि एक दूसरे को शिक्षा से संबंधित लाभ प्राप्त हो सके।

- **समय की बचत :–** इन्टरनेट के माध्यम से लोगों का समय बच जाता है। कम समय में अपना कार्य पूरा कर लेते हैं। किसी भी काम के लिए जहां जाना चाहिए वहां जाने की आवश्यकता नही पड़ती है।
- **इन्टरनेट ऑनलाईन कार्यालय :–** इन्टरनेट कर्मचारियों को घर से काम करने की सुविधा प्रदान करता है, इसके अतिरिक्त ऑनलाईन मार्केटिंग और कम्यूनिकेशन या संचार से जुड़ी कई ऐसी कंपनिया है, जिसके घर से लैपटॉप तथा मोबाईल और कम्पयूटर के जरिए काम करते हैं।
- **विजनेस को बढ़ावा :–** यदि कोई व्यक्ति बेरोजगार है, और अपनी जीविका के लिए व्यापार करना चाहता है या व्यापार कर रहा है और उसे बढ़ाना चाहता है तो वो इन्टरनेट के माध्यम से अपना व्यापार को बढ़ा सकता है, क्योंकि वर्तमान समय में कई ऐसी कंपनी है जो इन्टरनेट के जरिये अपने व्यापार को आगे बढ़ा रही है।
- **बिलों का ऑनलाईन भुगतान :–** कोई भी व्यक्ति घर बैठे अपने किसी भी बिलों का भुगतान चाहे नेट बैंकिंग या क्रेडिट कार्ड की मदद से करना चाहता है तो ऑनलाईन कर सकता है।
- **नौकरी ढूंढ़ना :–** इन्टरनेट के माध्यम से नौकरी ढूंढ़ना आसान हो गया है, वेबसाईड या पोर्टल में सर्च करके अपना बायोडाटा भेजकर अपनी योग्यता के आधार पर नौकरी खोजा जा सकता है। ऑनलाइन के माध्यम से आप अपना आवेदन भेज सकते हैं।
- **वितीय लेन–देन :–** यदि आपको वितीय लेन–देन करना है तो आप कहीं से भी जितना रूपये भेजना है भेज सकते हैं या आपको आवश्यकता पड़ने पर आप मंगा सकते हैं।
- **टिकिट बुकिंग :–** इन्टरनेट के माध्यम से आप ऑनलाईन कोई भी टिकिट जैसे रेलवे टिकिट, प्लेन टिकिट, बस टिकिट, सिनेमा टिकिट आदि उक्त स्थान में न जाकर घर बैठे टिकिट बुकिंग कर सकते हैं।
- अनुसंधान गतिविधियों का संचालन करने में इन्टरनेट काफी मददगार है। आवश्यक जानकारी इन्टरनेट पर समय पर मिल जाती है।
- **मनोरंजन :–** इन्टरनेट मनोरंजन का एक मुख्य स्रोत है, इसके माध्यम से यू टयूब खोल कर विडियो देख सकते हैं। गाना सुन सकते हैं।
- **इन्टरनेट संवाद :–** इसके द्वारा ईमेल और चैट की सुविधा प्राप्त होता है लोगों के बीच संचार सुविधा आसान हो जाता है। यदि कोई उद्योगपति या कंपनी ग्राहकों तक पहुंचना चाहता है तो उसके लिए यह आसान हो जाता है।
- **नवीनतम घटनाएं :–** इन्टरनेट हमें दुनिया भर की नवीनतम घटनाओं से अवगत कराता है। वर्तमान समय में लोग घर के टीवी पर ही आश्रित नहीं रहते हैं, वे नवीनतम जानकारी प्राप्त करने के लिए इन्टरनेट के माध्यम से न्यूज ऐप का उपयोग करते हैं।
- **मेसेज :–**इन्टरनेट के माध्यम लोग अब आसानी से वॉटसएप, ऑडियो, वीडियो, फेसबुक एवं टिवीटर से मेसेज भेज सकते हैं।

इन्टरनेट की हानि :–

आधुनिक युग के चकाचौंध की दुनिया में इन्टरनेट के फायदे के साथ–साथ इसके बड़े पैमाने पर नुकसान या हानि भी हैं, जो निम्नलिखित हैं :–

- **समय की बर्बादी :–** इन्टरनेट के जरिए समय की बर्बादी होती है। इसका सबसे पहला नुकसान ये है कि लोग इस पर बहुत ज्यादा समय बर्बाद करते हैं। लोग 24 घंटे इसमें लगे रहते हैं, जिसके कारण उसका समय बर्बादी के साथ–साथ पूरा जीवन भी बर्बाद हो जाता हैं। वे अपनी कीमती समय यों ही खो देते हैं।
- **पैसे की बर्बादी :–** इन्टरनेट के जरिए लोग पैसे की बर्बादी बहुत ज्यादा करते हैं। बहुत से लोग हर महीने पैसे कमाते हैं, पर दूसरी ओर हर महीने इन्टरनेट का पैकेज अथवा नेट पैग डलवा कर अनावश्यक उपयोग करते हैं।
- **मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर :–** इन्टरनेट का मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत ही ज्यादा बुरा असर पड़ रहा है। इसके अन्दर जिस तरह की चीजें मौजूद रहती है, वह लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को खराब करती है। बार–बार उसी चीज को देखने से मन विचलित होता है।
- **गैर कानून कामों की भरमार :–** इन्टरनेट पर बहुत सारी गैर कानूनी कामों की भरमार रहती है, जिसका लोग उपयोग करते हैं और परिणाम यह होता है कि वे उसमें फंसकर जेल जाने से भी बच नही पाते हैं।
- **अशलीलता की भरमार :–**इन्टरनेट पर अशलीलता की भरमार रहती हैं। हम सब जानते हैं कि गलत चीजें हमेशा तेजी से फैलते हैं। जिसके चपेट में लोग आ जाते हैं।

- **इन्टरनेट की लत लग जाना :–** इन्टरनेट सुनने में भले ही अजीब लगता हो पर यह एक प्रकार से शराब जैसे ही है। जिसका की लोगों को लत लग जाता है, लोग आज के समय में उसके बिना नही रह पाते हैं। आदत से लाचार हो गये हैं।
- **राजनैतिक दलों का प्रोपेगैंडा :–** इन्टरनेट पर आज कल राजनैतिक दलों का आई टी सेल मौजूद है, जिसके कारण राजनैतिक दल वाले एक दूसरे की टीका–टिप्पनी करते रहते हैं विशेषकर जब चुनाव का समय आता हैं फेक न्यूज का प्रचलन इतना ज्यादा होता है कि लोग भ्रमित हो जाते हैं।
- **डाटा की चोरी :–** आज कल टेकनॉलाजी इतना ज्यादा एडवांस हो गया है कि इन्टरनेट के जरिए कंप्यूटर से लोगों का डेटा चुरा सकते हैं। और देखा जाय तो इस समय चोरी भी होने लगा है।
- **बैंक खाता खाली होने की संभावना :–** इन्टरनेट के जरिए आपका बैंक खाता भी खाली होने की प्रबल संभावना बनी रहती है। लोग ठगों की चपेट में आ जाने के कारण उनका बैंक खाता खाली हो जाता हैं।
- इन्टरनेट के माध्यम से कस्टमर केयर का सहारा लेकर सारी जानकारी प्राप्त कर लेते हैं।

निष्कर्ष :–

आधुनिक युग में इन्टरनेट हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण साधन है। इसमें लोगों को कई फायदे और नुकसान हैं। जिसका लोगों को सोच समझकर और ध्यान से सतर्कता पूर्वक उपयोग करना चाहिए, जिससे लाभ लिया जा सके और नुकसान से भी बचा जा सके। यह कई सुविधाएं प्रदान करता है। यह कई तरह से हमारे जीवन को आसान बना दिया है। इसने हमें अपने करीबी और प्रियजनों के साथ जुड़ने में मदद की है और हमारे जीवन को बेहद अरामदायक एव सुविधाजनक बना दिया है। इन्टरनेट ने हमारी दुनिया पर गहरा प्रभाव डाला है, जिससे हमारे संचार करने, सीखने काम करने, अपने वित्त का प्रबंधन करने, मनोरंजन तक पहुंचने और खरीदारी करने के तरीके में बदलाव आया है। इसने हमारे जीवन को अधिक सुविधाजनक और कनेक्टेड बना दिया है, और यह अनगिनत तरीकों से हमारे भविष्य को विकसित और आकार देता रहेगा।

संदर्भ ग्रंथ

1. ब्राडली, पी. (2017). पुस्तकालयों पर इंटरनेट का प्रभाव। ब्रिटिश लायब्रेरियनशिप और इन्फॉर्मेशन वर्क 1991–2000 (पीपी. 340–352).रूटलेज.
2. भंडारकर, पी.एस. (2013). पुस्तकालयों पर इंटरनेट और वर्ल्डवाइड वेब पर्यावरण का प्रभाव। एशियन जनरल ऑफ मल्टीडिसीप्लीनरी स्टडीज, 1(2), 72–77.
3. गुंदले, एम.डी.पी. (2022). पुस्तकालय और सूचना सेवाओं पर इंटरनेट का प्रभाव।
4. इन्टरनेट के दस मुख्य उपयोगः भारतीय मगर समाज, देहरादून (पूर्व भारतीय मगर संध)
5. इन्टरनेट का उपयोग पर निबंध। https://www hindikidunia.com
6. इन्टरनेट एवं अन्य सूचना सेवाएंः। https://www Internet.com
7. जागरण. https:www.jagran.com, Allahabad
8. कुम्भार,के.एन., और बिदवे,एच. (2016). इंटरनेट आधारित पुस्तकालय सेवाएंः एक सिहावलोकन। किसकी सत्ता ज्ञान, 1,14–19.
9. कुमारी, एन. (2016). पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में वेब आधारित सेवाएं। नेक्स्ट जनरेशन लायब्रेरी टेक्नॉलाजिज का इंटरनेशनल जर्नल, 2(1), 118.
10. केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान। https://chti.rajbhasha.gov.in
11. https://mvhindipoint.com